



तीन राजकुमार गुरुकुल में अपनी पढाई पूरी करने के बाद घर लौट रहे हैं। तीनों घने जंगल से गुज़र रहे हैं।

संसार में कितने कम लोगों को  
यह सौभाग्य प्राप्त होता है ।

पर हम सबका ज्ञान  
बराबर नहीं है ।

हम तीनों इस बात पर गर्व कर सकते हैं  
कि हमने ज्ञान प्राप्त कर लिया है ।





कैसी मूर्खतावाली बातें कर रहे हो । मैं तुम दोनों से बड़ा हूँ । मेरे ही पास ज्यादा ज्ञान है ।

मैं तो गुरुकुल आने से पहले भी पढ़ता था । मेरा ज्ञान तुम दोनों से ज्यादा है ।

मेरा ज्ञान तुम दोनों के ज्ञान से अधिक है ।

क्या मतलब है?



मेरे घर के सेवक तक  
महापंडित है। मेरे सामने तुम दोनों  
मूर्ख हो।

पिता से क्या होता है? मेरी तो माता जी  
देश की मानी हुई विदुषी है।

मेरे पिता बहुत बड़े ज्ञानी है।  
उनका पुत्र होने के नाते  
मैं तुम दोनों से ज्यादा विद्वान है।





हर राजकुमार अपने को बड़ा ज्ञानी मानता है ।


ज्ञान का परिचय ज्ञानी  
को दिया जाता है मूर्ख  
को नहीं ।

यही बात है तो चलो  
परीक्षा हो जाए ।

यही बात है तो तुम अपने ज्ञान  
का परिचय दो ।

तुम मेरा अपमान कर रहे हो ।



An illustration of three cartoon monks in a forest. They are bald with a white 'U' shaped tilak on their foreheads. They wear orange robes with a white sash. The monk on the left is looking towards the other two. The two monks on the right are looking at each other. A blue speech bubble is above them.

अपने ज्ञान का परिचय दो नहीं तो  
हम तुमको दंड देंगे ।

जकुमार 2 इधर - उधर देखता है । उसे किसी जानवर की हड्डियाँ पड़ी दिखाई देती है ।



ये हड्डियाँ देख रहे हो?

मैं अपने ज्ञान से बता सकता हूँ  
कि ये हड्डियाँ शेर का है ।

हाँ

बस यह तो मामूली बात है । मैं तो अपने ज्ञान से इस  
हड्डियों पर माँस, उनमें रक्त और उसके  
ऊपर खाल मढ़ सकता हूँ । लो मौँ मंत्र  
पढ़ता हूँ ।



राजकुमार 3 मंत्र पढता है ।




visit [www.shenischool.in](http://www.shenischool.in)



राजकुमार 3 मंत्र पढ़ता है और शेर की हड्डियाँ पर माँस, उनमें रक्त और उसके ऊपर खाल आ जाती हैं





अरे हो . . . यह तो  
हो गया ।


मूर्खों . . . . अब तो तुम समझो . . .  
मैं तुम सबसे बड़ा  
विद्वान हूँ ।



लेकिन क्या तुम इसमें प्राण  
भी डाल सकते हो?

नहीं. . . पर यह तो तुम भी  
नहीं कर सकते ।





पर ऐसा मत करो ।


मैं इसमें प्राण भी  
डाल सकता हूँ



उसके बाद शेर  
हमें खा जाएगा ।

क्यों?





नहीं. . नहीं  
शेर हमें खा जाएगा ।

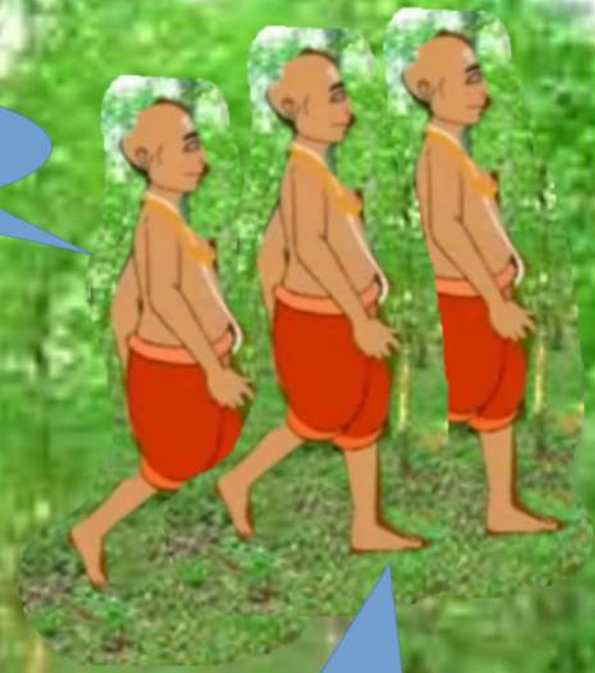
पर मुझे तो सिद्ध करना है कि  
मैं तुम दोनों से बड़ा ज्ञानी हूँ ।



राजकुमार 1 मंत्र पढता है और शेर जीवित हो जाता है ।



अब हम बच नहीं सकते

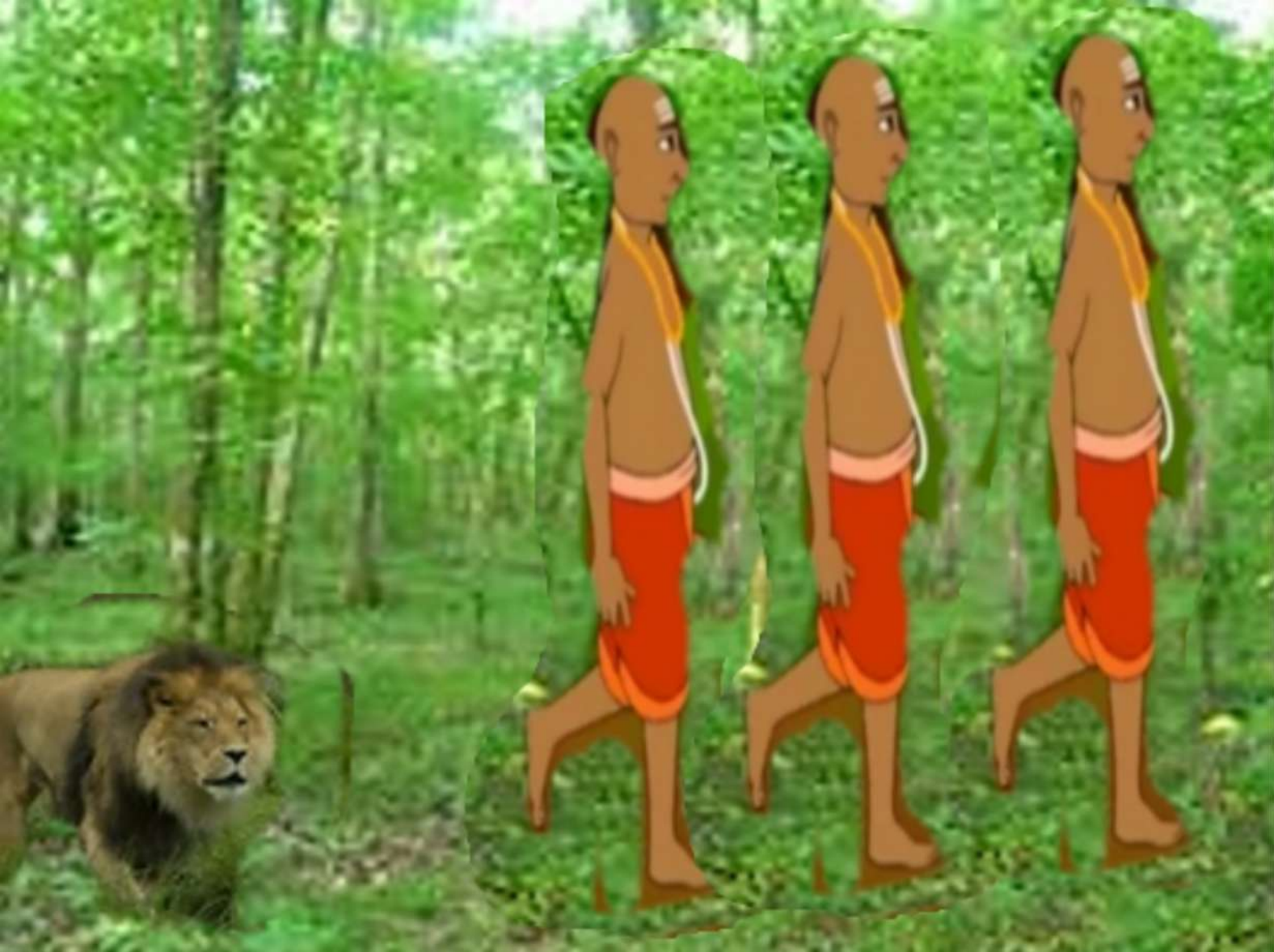


शेर हमें खा ही जाएगा ।



visit [www.shenischool.in](http://www.shenischool.in)





अरे देखो कौन आ रहा है ।

गुरुजी है ।



brought to you by [www.shenischool.in](http://www.shenischool.in)





मुझे मालुम था कि तुम लोगों के अंदर  
अभी अहंकार बहूत है और तुम अपने  
ज्ञान का नुकसान भी कर सकते हो ।  
इसलिए मैं तुम लोगों के पीछे पीछे  
आ रहा था ।

गुरुजी हमारी जान बचाइए ।



brought to you by [www.shenischool.in](http://www.shenischool.in)








गुरु मंत्र पढता है ।



शेर बकरी बन जाता है ।





शिष्यों ध्यान रहे । वह ज्ञान जिससे अपना  
या दूसरों का नुकसान हो ज्ञान नहीं बल्कि  
अज्ञान है । ज्ञान तो सबकी भलाई  
के लिए ही होता है ।

ज्ञान तो सबकी भलाई के लिए ही होता है